छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक सफल तिरंगा... पृष्ठ 2 | पुरेना में शिक्षक पालक मेघा बैठक... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 09 अगस्त 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 289, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

छत्तीसगढ़ में शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के नए युग की शुरुआत : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ में शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के मध्य हुए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर के साक्षी बने। इस समझौते के अंतर्गत स्थापित होने वाले उद्यमिता केंद्र का निर्माण वर्ष 2025-26 में प्रारंभ होगा तथा इसे वर्ष 2027-28 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि आज हस्ताक्षरित एमओयू से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी। इस साझेदारी से प्रदेश में गांव-गांव तक शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार की क्रांति पहुंचेगी, जो युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस त्रिपक्षीय समझौते के तहत श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल नवाचार एवं उद्यमिता उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो युवाओं को शोध, प्रयोग और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह उत्कृष्टता केंद्र केवल आईआईएम या एनआईटी के विद्यार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव के युवाओं को भी लाभान्वित करे। मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से भी इस शिक्षा और कौशल विकास के आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ अब कोर सेक्टर के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेज़ी से अग्रसर हो रहा है। बीते 20 महीनों में किए गए साढ़े तीन सौ से अधिक सुधारों के परिणामस्वरूप राज्य में निवेश का अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है और केवल आठ माह में 6.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि हम सभी यह संकल्प लें कि छत्तीसगढ़ को संसाधन-आधारित नहीं, बल्कि नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला राज्य बनाएंगे ङ्क जहाँ युवा बदलाव के वाहक बनें और उद्यमिता से समाज को दिशा दें। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन श्री रामदेव अग्रवाल ने कार्यक्रम में रायपुर में किसानों हेतु देश का सबसे बड़ा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक अत्यंत समृद्ध प्रदेश है, जिसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। उनका फाउंडेशन इस विकास यात्रा में पूर्णत: समर्पित है। श्री अग्रवाल ने बताया कि फाउंडेशन ने अपनी कुल निधि का 10 प्रतिशत समाज कल्याण के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया है, जिसका उपयोग शिक्षा, कौशल और कृषि से संबंधित कार्यों में किया जाएगा।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री साय को ब्रह्मकुमारी बहनों ने बाँधी राखी

रायपुर। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, रायपुर की संचालिका ब्रह्मकुमारी सविता बहन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की और उन्हें रक्षा-सूत्र बाँधकर उनके स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्मकुमारी बहनों का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी भावनात्मक एकता और सामाजिक मूल्यों की गहराई को दर्शाने वाला अनुपम उत्सव है।

कैट ने मनाया तेजवानी का जन्मदिन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महाकाल भक्त संजय तेजवानी का जन्मदिन कैट परिवार ने हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर मुंह मीठा किया गया। कैट के सदस्यों ने गुलदस्ता भेंटकर उनके दीर्ध आयु होने और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से कैट के जिला अध्यक्ष राजू डागा,वरिष्ठ पत्रकार अशोक पांडे, सूरज बुद्धदेव, ईश्वर साहू, अनिल त्रिपाठी, दीपक साहू, लायंस क्लब के अध्यक्ष अमित खण्डेलवाल, चेयरमैन राजा माखीजा ,चेम्बर ऑफ़कॉमर्स के निर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक बिंदल, हार्डवेयर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार बाफना, सरप्रीत रंगी ,वरुण भास्कर ,अजय पांडे,गुरुमुख दास वाधवा सिंधी पंचायत,मुरली फावानी, कमल पंजवानी, सुरेश पंजवानी, अनिल तेजवानी,राम तेजवानी, आत्माराम कोशा,युवा नेता भाजपा योगेश खत्री,शैलेश गिरी, गोतम श्रीवास आदि उपस्थित थे।

ऑपरेशन मुस्कान, सुरक्षा का असली वचन

ऑपरेशन मुस्कान ने कई चेहरों पर लौटाई मुस्कान

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जब कोई अपना खो जाए तो उसकी वेदना परिवार को अंदर तक झकझोर देती है। कहीं गुम हो जाने वाले बच्चे या व्यक्ति वर्षों तक भटकते रहते हैं। जिसकी टीस उनके परिवारजनों को विचलित कर देती है और वे हर किसी से अपने बच्चे के बारे में सुधि लेने की कोशिश करते हैं। जेहन में यह खयाल कि हमारा बच्चा किस हाल में होगा। पुलिस प्रशासन ने ऐसे ही प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए एक मिसाल प्रस्तुत की है और ऑपरेशन मुस्कान तथा ऑपरेशन तलाश एक जरिया बनी है, ऐसे परिवारजनों से उनके बिछड़े और गुम हो गए बच्चे एवं प्रियजनों को मिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान एवं ऑपरेशन तलाश के माध्यम से बेहतरीन कार्य किया गया है और उनके परिजनों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। जिसका सुखद परिणाम यह है कि अब तक 23 बालक एवं बालिकाएं तथा ऑपरेशन तलाश अंतर्गत 112 महिला एवं पुरूष अपने घर-परिवार के पास वापस लौट गए है और उनके चेहरे पर यह मुस्कान सुकून देने वाली है। पुलिस विभाग में आपसी समन्वय, लगातार तफ्तीश के माध्यम से मिशन मोड में कार्य किया गया है। जिससे यह मुश्किल कार्य संभव बना। इस कार्य के लिए राजनांदगांव पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में पहुंचकर गुमशुदा बच्चों एवं व्यक्तियों को बरामद किया गया है। ऑपरेशन मुस्कान द्वारा बच्चों को अपनों से मिलाकर सुरक्षा का असली वचन निभाते हुए पुलिस विभाग द्वारा अपना दायित्व निभाया गया। गुमशुदा बच्चों एवं व्यक्तियों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है, जिससे उनके परिवार में खुशी का महौल है। उनके परिजनों द्वारा राजनांदगांव पुलिस को धन्यवाद व्यक्त करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित किया गया है। राजनांदगांव जिले में पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र नायक, एसडीओपी डोंगरगढ़ श्री आशीष कुंजाम, एसडीओपी डोंगरगांव श्री दिलीप सिसोदिया के पर्यवेक्षण पर जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में गुम इंसान के मामलों में निरंतर कार्य किया गया।

लायंस क्लब सिटी की नई टीम ने रमन से की सौजन्य भेंट

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। आज लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी की नई टीम सेवा की राह में सत्र 2025 - 26 के पदाधिकारियों सहित सभी सदस्यों द्वारा हमारे लाड़ले विधायक छत्तीसगढ़ शासन विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद लिया। जिसमे मुख्य रूप से अध्यक्ष लायन अमित खण्डेलवाल,पद्मश्री लायन डॉ पुखराज बाफना,ला.उमेंद कोठारी जी,ला.संतोष लोहिया जी रीजन चेयर पर्सन लायन राजकुमार शर्मा,ला.विजय कोटड़िया,मुकेश चौबे,कोषाध्यक्ष लायन सुरेश शर्मा, लायन राजा माखीजा,संजय तेजवानी सहित उपस्थित थे । उक्त जानकारी लायंस क्लब के सचिव लायन मयंक शर्मा ने दी हैं।

हर घर तिरंगा महा अभियान

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय प्राथमिक शाला नाथूनवागांव के बच्चों द्वारा हर घर तिरंगा प्रभात रैली निकाला गया।

डोंगरगांव ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला नाथूनवागांव संकुल केंद्र तुमड़ीबोड़ विकासखंड डोंगरगांव में बच्चों के द्वारा हर घर तिरंगा महा अभियान के अंतर्गत प्रभात रैली निकालकर भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया गया ताकि आमजन में देशभक्ति की भावना विकसित हो सके इस रैली में शाला के प्रधान पाठक डोमन लाल सिन्हा सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार साहू , वीणा सोनी गांव के सरपंच भुवाल साहू सचिव मंगल नारंग टेमन साहू शामिल हुए थे।

पेड़-पौधों को रक्षासूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गुंगेरी नवागांव में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पेड़-पौधों को राखी

बांधकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प । पेड़ पौधें जल संरक्षण में भी महत्व भूमिका निभाती है एवं हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन भी प्रदान करता है इसलिए पेड़ पौधों की सुरक्षा अति आवश्यक हैं। इस अवसर पर प्रधानपाठक गैंद लाल डहरे, माधव साहू ,शिक्षिका दीपिका साहू, अंजु देवांगन, शशि ठाकुर , टीलेश्वर साहू , अमरनाथ एवं शाला के बच्चे कुमारी विद्या, नागेश्वर साहू,प्रियंका, सुलेखा, धनेश्वरी,मीरा साहू उपस्थित थे।

नशा मुक्ति विषय में निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माहुद-मचान्दूर में नशा मुक्ति थीम पर निबंध एवं रंगोली

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश बारसागढ़े,टीनेश्वरी रावटे एवं द्रोपती चिरामे के अगुवाई में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिए। रंगोली के माध्यम से प्रतिभागियों का नशा मुक्ति के लिए जनजागरूकता का सराहनीय प्रयास रहा।संस्था के प्राचार्य आर. डी.कोसारिया,व्याख्याता एस. आर.देवहरे,विरेन्द्र यदु,अवनेश राजपूत,पुष्पा रामटेके एवं निशा वर्मा ने रंगोली का अवलोकन कर बेहतरीन कार्य के लिए प्रतिभागियों को बधाई दिये।रंगोली में प्रज्ञा दामले,सेजल धनकर,पूर्वा हिरवानी,लक्ष्मी यदु,भूमिका भुआर्य,दिव्य भारती,कुमकुम रावटे आदि ने भाग लिये।

अखंड ज्योति का बम्लेश्वरी मंदिर में भव्य स्वागत

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। 07 जुलाई को हरिद्वार से आई गायत्री अखंड ज्योति का नीचे मां बम्लेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई,

एवं नगरवासियों के सुख शांति समृद्धि के लिये प्रार्थना की गई। तत्पश्चात अखंड ज्योति को नगर भ्रमण के लिये प्रस्थान किया गया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट समिति अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, संजय श्रीवास्तव, बबलू शांडिल्य एवं ट्रस्टीगण उपस्थित रहें। साथ ही रंजीत पोद्दार, राजकुमार ग्रेवाल, रवि तिवारी , विश्वनाथ यादव, सतीश यादव, मनोज यादव, अजय यादव एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

पुराना अस्पताल में ओपीडी की सुविधा से शुरू होने से मिलेगी राहत.

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। नगर की स्वास्थ्य चिकित्सा व्यवस्था में सुधार को लेकर भाजपा लगातार मंथन कर रही है। इसको लेकर

जिला चिकित्सा अधिकारी के निगरानी में पुराने अस्पताल का मुआयना किया गया। इस दौरान पालिका प्रमुख अपने प्रतिनिधियों के साथ उपस्थित थे। बताया जाता है पूर्वोत्तर सरकार में जब से नवीन अस्पताल अछोली में स्थानांतरित हुआ है। तब से शहरवासियों में इसको लेकर गहरी नाराजगी थी। वहीं स्वास्थ्य सुविधा को एक बार फिर शहर में पुन: शुरू किए जाने को लेकर नगर के जनप्रतिनिधि लगातार प्रयास कर रहे थे। जिसको लेकर बुधवार को निरीक्षण किया गया और माना जा रहा है कि इस निरीक्षण के बाद आने वाले कुछ दिनों में पुराने अस्पताल में शहर वासियों के लिए ओपीडी जैसी सुविधाएं शुरू की जा सकती सकती हैं। जिससे शहरवासियों को राहत मिलेगी। बताया जाता है कि प्रदेश महामंत्री रामजी भारती इस सुविधा को लेकर लगातार प्रयास रथ थे। पालिका के प्रतिनिधियों के द्वारा इसको लेकर गृह मंत्री से भी मुलाकात की गई थी। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोआना, पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित जैन, महामंत्री विनय बंसल व विनीत यादव, पालिका के पार्षदगण सहित बीएमओ सुचिता श्रीवास्तव, पालिका के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शुभांक

1-5-9

114-6 459-8

भाग्यांक

167-4 447-5

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक सफल तिरंगा यात्रा होगी : खूबचंद पारख

मोर तिरंगा मोर अभियान को भाजपा बूथ स्तर पर चलाएगी: नीलू शर्मा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में भी आगामी 10 अगस्त से 14 अगस्त तक मोर तिरंगा मोर अभियान कार्यक्रम किया जा रहा है जिसके तैयारी के संबंध में आज 8 अगस्त को जिला भाजपा कार्यालय में बैठक आहूत की गई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख प्रदेश अभियान प्रभारी नीलू शर्मा जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत एवं तिरंगा अभियान के जिला संयोजक मूलचंद लोधी की उपस्थिति में संपन्न हुई मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मोर तिरंगा मोर अभियान कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्य वक्ता खूबचंद पारख ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान आजादी के अमृत महोत्सव से प्रारंभ होकर लगातार चल रहा है इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ में भी जिला वह मंडल स्तर पर टीम बनाकर कार्यशाला आयोजित की जा रही है। श्री पारख ने कहा कि आज सिंदूर अभियान के पश्चात भारत की जनता में देश के प्रति समर्पण की भावना जागृत हुई है जिसके कारण छत्तीसगढ़ में तिरंगा यात्रा सर्वाधिक सफलता की ओर अग्रसर होगी उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार किसानों युवाओं महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान कर रही है जिसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ खुशहाली की ओर अग्रसर है। इसके पूर्व तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक एवं पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि तिरंगा न केवल भारत का राष्ट्रध्वज है अपितु समस्त देशवासियों का अभियान भी है इसी तिरंगे की रक्षा के लिए न जाने कितने राष्ट्रभक्त स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था पहले केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को ही देश में तिरंगा फहराया जाता था परंतु देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद माननीय नरेंद्र मोदी ने तिरंगे के प्रति स्वाभिमान की भावना को जगाने के उद्देश्य से इसे एक अभियान का रूप देकर भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से जन.जन तक तिरंगे को पहुंचाने का लक्ष्य बनाया । नीलू शर्मा ने कहा की कांग्रेस ने देश के कई शूरवीरों के इतिहास को अध्यायों पन्नों से हटा दिया उन्होंने कहा कि मोदी जी ऐसे लोगों को देश के सामने लाकर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैए नीलू शर्मा ने अहिल्या बाई होलकर के इतिहास के बारे में बताया कि सत्ती प्रथाए महिला शक्तिकरण की बात आज से 300 वर्ष पहले अपनी आवाज बुलंद की थीए देश का दुर्भाग्य की कांग्रेस ने उसे भी भुला दिया था। भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र गोलछा एवं जिला संयोजक मूलचंद लोधी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की जिला टोली को मंडल टोली के समन्वय से जिले के प्रत्येक बूथ के हर घर में तिरंगा फहराने के लिए ईमानदारी से कार्यकर्ता कार्य में जुट चुके हैं तिरंगा अभियान पिछली बार की तुलना में इस बार और प्रभावी होए इस बात की चिंता कार्यकर्ता करें । भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि शहीद सेनानियों की प्रतिमाओं चित्रों पर माल्यार्पण एवं स्वच्छता का कार्यक्रम किया जाएगा। साथ ही 14 अगस्त को देश के विभाजन की याद करते हुए विभाजन विभीषिका दिवस भी मानना है । इस दौरान मौनए जुलूसए चित्र प्रदर्शनी गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित होंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने मोर तिरंगा मोर अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि तिरंगा के प्रति आज की युवा पीढ़ी और महिलाओं को विशेष रूप से जागृत

करने की जरूरत है इसलिए भाजपा युवा व महिला मोर्चा की विशेष भागीदारी इस अभियान में सुनिश्चित की गई है आज की बैठक के पश्चात सभी 16 मंडलों में कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन कैलाश शर्मा व आभार प्रदर्शन सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक संतोष सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री सौरभ कोठारी रविंद्र वैष्णव एमडी ठाकुर विनोद खांडेकर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव चंद्रिका डडसेना पूर्णिमा साहू आभा तिवारी मंडल अध्यक्ष सुमित भाटीया गोलू गुप्ता लता सिन्हा जागृति यदु अनीता ठाकुर गोपाल भूआर्य रघुवीर वाधवा राजा माखीजा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इनामी नक्सली एरिया कमेटी कमांडर गिरफ्तार

ऑपरेशन प्रयास से मिली बड़ी सफलता

अफशान खान

अंबागढ़ चौकी (नांदगांव टाइम्स)। ऑपरेशन प्रयास अंतर्गत मिली बड़ी सफलता शासन द्वारा 08 लाख का ईनामी नक्सली श्रीकांत पुनेम औंधी-मोहला संयुक्त एरिया कमेटी का नक्सली कमांडर गिरफ्तार किया गया है, माओवादियों से मुठभेड़ में खुर्सेखुर्द जंगल से नक्सली कमांडर श्रीकांत पुनेम को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मैड 9 एमएम पिस्टल मय मैंगजीन एवं जिंदा राउंड सहित पुलिस ने जिंदा पकड़ा गया, श्रीकांत पुनेम वर्तमान में माओवादी संगठन डी.वी.सी मेम्बर एवं औंधी-मोहला संयुक्त एरिया कमेटी का कमांडर है, सक्रिय नक्सली कमांडर से हथियार एवं नक्सली दस्तावेज जप्त हुए।डीआरजी-आईटीबीपी की संयुक्त कार्यवाही से नक्सली संगठन की कमर टूटी है, पुलिस पार्टी पर नक्सलियों की फायरिंग, जवाबी कार्यवाही में एक नक्सली कमांडर गिरफ्तार, फरार नक्सलियों की खोज में जंगल में सर्चिंग तेज की गई। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव अभिषेक शांडिल्य आईपीएस के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह आईपीएस के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रयास के तहत नक्सल विरोधी कार्यवाही संपन्न 6 अगस्त को थाना मदनवाड़ा क्षेत्रांतर्गत ग्राम खुर्सेकला, कुर्सेखुर्द के जंगल क्षेत्र में

माओवादियों की उपस्थिति की विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर एरिया डोमिनेशन एवं सर्च ऑपरेशन की कार्यवाही की गई। इस अभियान के लिए थाना मानपुर से डीआरजी के 27 जवानों का बल, थाना मदनवाड़ा से आईटीबीपी 27वीं वाहिनी डी कंपनी के सहायक कमांडेंट बलवीर सिंह के नेतृत्व में 30 जवानों का बल तथा कैंप बसेली से आईटीबीपी 44वीं वाहिनी ई कंपनी के बल सहित कुल संयुक्त बल रवाना हुआ। सुरक्षाबल जैसे ही आमाटोला की ओर से खुर्सेकला होते हुए खुर्सेखुर्द की ओर बढ़ रहे थे, तभी लगभग 4 बजे सशस्त्र माओवादी नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर घात लगाकर हमला किया गया। नक्सलियों ने जान से मारने एवं हथियार लूटने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग प्रारंभ कर दी। सुरक्षाबल ?द्वारा आत्मरक्षा एवं जवाबी कार्यवाही करते हुए मोर्चा संभाला गया और जंगल में नक्सलियों की घेराबंदी की गई। घने जंगल का फायदा उठाकर अधिकांश नक्सली भाग निकले। मौके पर की गई सघन तलाशी के दौरान एक नक्सली को पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम श्रीकांत पुनेम उर्फ सुकनाम पुनेम, निवासी ग्राम सावनार, थाना गंगलूर, जिला बीजापुर बताया गया। उक्त नक्सली प्रतिबंधित माओवादी संगठन डीवीसी मेम्बर एवं वर्तमान में आँधी-मोहला संयुक्त एरिया कमेटी का कमांडर होना स्वीकार किया। घटना थांना मदनवाडा क्षेत्र का होने से मदनवाडा में नक्सलियों के विरुद्ध विभिन्न धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी नक्सली कमांडर श्रीकांत पूनम उर्फ सुखनाम पूनेम को विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

निम्न सामग्रियाँ जप्त की गई

प्रेसवार्ता और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक 9 एमएम पिस्टल मय मैगजीन 4 जिंदा कारतूस सहित एक स्मार्टफोन, एक पावर बैंक, 9 एमएम के 2 खाली खोखे एवं एके-47 के 3 खाली खोखे, नगदी रकम 11080 रुपये, 1 प्लास्टिक थैला, जिसमें एसी हैंडबुक - मई 2017 सीपीआई माओवादी, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, पार्टी संविधान - केंद्रीय कमेटी सीपीआई माओवादी के द्वारा सामग्री जप्त की गई।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा अभिलाषा दिव्यांग स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन, गाइड रेंजर ने बांधी राखी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा अभिलाषा दिव्यांग स्कूल राजनांदगांव में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गाइड रेंजर ने अभिलाषा स्कूल के 45 बालक-बालिकाओं को रक्षासूत्र बांधकर मिठाई खिलायी। अभिलाषा संस्था परिवार द्वारा गाइड रेंजर बहनों को उपहार भी दिया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्री विष्णु प्रसाद साव, जिला मुख्य आयुक्त श्री महेश खंडेलवाल, अध्यक्ष अभिलाषा संस्था श्री संतोष बोदूदन, उपाध्यक्ष अभिलाषा संस्था श्रीमती गीता राठौर, जिला कोषाध्यक्ष श्री आलोक बिंदल, आजीवन सदस्य श्री संतोष खंडेलवाल, प्रशासक अभिलाषा संस्था श्री दिलीप श्रीवास्तव, प्राचार्य अभिलाषा संस्था श्रीमती वंदना तुरहटे, जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री मयूख श्रीवास्तव, जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती भारती रजक, जिला सचिव श्री देवेंद्र अम्बादे, गाइडर रेंजर श्रीमती सोमिन साहू, ओपन रेंजर सरोजनी की सहभागी रहे।

रक्षाबंधन पर मिठाइयों की गुणवत्ता पर नजर, कबीरधाम में 3 दिन चला सघन जांच अभियान

33 सैम्पल राज्य लैब भेजे, 80 नमूनों की मौके पर जांच, व्यापारियों को निर्देश

त्योहारी सीजन में अवमानक खाद्य बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 4 से 6 अगस्त तक राज्य स्तरीय सघन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इसी के तहत कबीरधाम जिले में भी कलेक्टर के निर्देशन में 3 दिवसीय अभियान संचालित हुआ।इस दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार नेले एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मुकेश कुमार

साहू के नेतृत्व में कवर्धा, सहसपुर लोहरा, पंडरिया और बोडला ब्लॉकों के मिठाई दुकानों, रेस्टोरेंट, स्ट्रीट फूड वेंडरों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। अभियान के तहत कुल 33 सैम्पल एकत्र कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए। साथ ही चलित प्रयोगशाला से 80 खाद्य नमूनों की मौके पर ही जांच की गई और उपभोक्ताओं एवं व्यापारियों को मानक खाद्य सामग्री के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।अधिकारियों ने बताया कि बरसात के मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर अक्सर संदेह बना रहता है और रक्षाबंधन पर्व के दौरान मिठाइयों व खाद्य सामग्री की मांग अधिक होने से अवमानक उत्पाद बिकने की संभावना रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अभियान चलाया गया।

सावन की हरियाली में रमन डोंगरे की अनोखी पहल - एक पेड़ माँ के नाम!

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। वार्ड क्रमांक 10 की महिलाओं द्वारा केसरी नंदन लॉन में आयोजित सावन महोत्सव में नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे की उपस्थिति और पहल ने कार्यक्रम को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पारंपरिक नृत्य, सावन क्वीन प्रतियोगिता और मेहंदी जैसे आयोजन हुए। नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत में पौधारोपण किया।

एक पेड़ माँ के नाम बना मुख्य आकर्षण.

इस गरिमामय अवसर पर श्री डोंगरे ने कहा कि माँ केवल जन्म नहीं देती, संस्कार भी देती है। इस पौधे के माध्यम से हम अपनी माताओं के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति ज़िम्मेदारी दोनों व्यक्त कर सकते हैं। उनकी इस पहल को उपस्थित महिलाओं जनप्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि से सराहा।

उत्सव में सांस्कृतिक रंगों की छटा.

कार्यक्रम में वरिष्ठ सभापति अमित जैन, खेल संघ जिला अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी,समाजसेवी सन्नी जय चिखले अनमोल बागड़े संतोष बेहकार सहित कालकापारा की माताएं बहने उपस्थित रही। वहीं

सावन क्वीन चयन, झूला गीत, भक्ति भजन और पारंपरिक खेलों में महिलाओं व बालिकाओं की भागीदारी ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया।

नगर प्रमुख का उत्साह, जनता का जुड़ाव.

डोंगरगढ़ नगर के प्रथम नागरिक रमन डोंगरे न केवल कार्यक्रम में शामिल हुए, बल्कि मंच से नीचे उतरकर आमजनों से संवाद भी किया। उनकी सादगी, मातृप्रेम और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें लोगों के और करीब ला दिया। यह सावन महोत्सव सिर्फएक आयोजन नहीं, बल्कि एक संदेश था — माँ के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण का, जिसकी पहल नगर प्रमुख रमन डोंगरे ने पूरे मनोयोग से की।

मोर तिरंगा मोर अभियान यात्रा के प्रभारी नियुक्त हुए

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने तिरंगा यात्रा की तैयारी के सम्बन्ध में बताया कि 4 अगस्त

हर घर तिरंगा

से लेकर 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा मंडल स्तर पर निकाली जाएगी इसके लिए संयोजकों की घोषणा हो गई है। 10 अगस्त को सभी मंडलों में बैठक आहूत की गई है जिसके लिए प्रभारियों की नियुक्ति भी की गई है जिसके अनुसार राजनांदगांव उत्तर दक्षिण एवं ग्रामीण के पूर्व पश्चिम के लिए जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत जी बैठक लेंगे। डोंगरगढ़ शहर दिनेश गांधी, डोंगरगढ़ ग्रामीण किरण वैष्णव, घुमका अतुल रायजादा, तिलई मंडल के कैलाश शर्मा, मुसर मुरमुंदा रविंद्र वैष्णव, तुमडीबोड राजेंद्र गोलछा, अर्जुनी मंडल के संयोजक शीला सिन्हा, कुमरदा चंद्रिका डडसेना, गैंदाटोला से श्रीमती जागृति यदु जी, छुरिया के लिए विनोद खांडेकर, लाल बहादुर नगर के लिए सौरभ कोठारी, तथा डोंगरगांव हेतु मूलचंद लोधी को बैठक एवं आयोजन की तैयारी की महत्वपूर्ण जवाबदारी दी गई है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व)राजनांदगांव, जिला-राजनांदगांव,छ.ग.

// ईश्तहार //

क्र./ अविअ/प्रवा0-3/2025

राजनांदगांव, दिनांक 25/07/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरदार हरजीत सिंह पिता बुद्धसिंह भाटिया, निवासी लखोली, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव, द्वारा निज स्वामित्व की भूमि ग्राम लखोली, पटवारी हल्का नंबर 42, खसरा नंबर 694/3 रकबा 0.0080 हेक्टेयर के आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन एवं पुनर्कर निर्धारण का आवेदन मय, खसरा बी-1, नक्शा, ऋष्ण पुस्तिका की प्रति, पंजीकृत बैनामा इत्यादि के साथ प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त कृषि भिन्न प्रयोजन के, पुनर्कर निर्धारण बाबत जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति इस उद्घोषणा प्रकाशन दिनांक से स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 09/08/2025 तक न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजनांदगांव

ज्ञान मंथन

1) समुद्री शैवाल खेती को बढ़ावा देने पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया था?

2) हाल ही में किस न्यूरो टेक्नोलॉजी कंपनी ने मानव मस्तिष्क में पहली कंप्यूटर चिप लगाई है?

3) भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियाँ है?

4) भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बलिया में किसने समानांतर सरकार स्थापित की थी?

5) उत्तराखण्ड की पहली महिला मुख्य सचिव के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) कच्छ (2) न्यूरालिंक (3) 12 (4) चितू पांडेय (5) राधा रतूड़ी

पुरेना में शिक्षक पालक मेघा बैठक संपन्न

छुईखदान (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय प्राथमिक शाला पुरेना संकुल केन्द्र घिरघोली विकास खंड छुईखदान जिला केसीजी छत्तीसगढ़ में गुरुवार को शिक्षक पालक मेघा बैठक रखा गया छत्तीसगढ़ सरकार, जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में दो दिवस पूर्व सभी पालकों से डोर टू डोर संपर्क करते हुए उनसे हस्ताक्षर लेते हुए शिक्षक पालक मेघा बैठक की जानकारी दी गई और उनसे निवेदन किया गया कि आप सभी लोग अपने खेती किसानी के कार्यों को करते हुए कुछ समय निकालकर शासकीय प्राथमिक शाला पुरेना में पहुंचने की कृपा करेंगे इस बैठक में आपके बच्चों की अब तक की उनकी पढ़ाई लिखाई बैठने के कोने ,दैनिक जीवनचर्या, शिक्षा, स्वास्थ्य, इलेक्ट्रिक यंत्र मोबाइल का सदुपयोग करते हुए जादुई पिटारा,दीक्षा एप,संपर्क दीदी के माध्यम से पढ़ाई करे शिक्षक पालक मेघा बैठक की पूर्व निर्धारित लगभग 11 बिंदुओं पर चर्चा किया गया जब तक बालक,पालक और शिक्षक मिलकर प्रयास नहीं करेंगे तब तक बच्चों को सफलता नहीं मिल सकती है खेल कूद के साथ प्रतिदिन सुबह शाम कुछ समय निकालकर बच्चों से उनके द्वारा कर रहे कार्यों का अवलोकन करे उन्हें अब तक क्या पढ़ाया लिखाया गया है उसकी जानकारी जरूर ले कहां पर क्या समस्या आती है उनके बारे में चर्चा परिचर्चा करे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों पर ज्यादा बोझ नहीं डालना है उन्हें खेल खेल में सिखाना है नंबर का दबाव न बनाएं बल्कि समझ के साथ सीखने पर जोर दे सीखना एक सतत प्रक्रिया है सभी बच्चों के अंदर ईश्वर प्रदत्त कुछ खास गुण होते हैं जो समय और अवसर मिलने पर पल्लवित होते हैं किसी को कभी भी कमजोर न समझे बच्चों और पालकों से संबंधित कोई बात हो तो शिक्षकों को अवगत जरूर कराएं आज की बैठक में नोडल के रूप में अपनी बात रखते हुए भागवत दास मानिकपुरी सचिव ग्राम पंचायत बुंदेली ने बताया प्रधान पाठक तुलेश्वर कुमार सेन अब तक की प्रगति रिपोर्ट को बताया शिक्षक के द्वारा क्या क्या कार्य स्कूलों में कराया जाता है विस्तार से बताया आज सभी जानकारी आन लाइन और आफ लाइन करना पड़ता है शासकीय योजनाओं से मिलने वाली सामग्री पाठ्य पुस्तक, गणवेश, छात्र वृत्ति,मध्याह्न भोजन आदि के बारे में बताया सहायक शिक्षक गोकुल राम वर्मा ने नवोदय विद्यालय परीक्षा के संबंध में विस्तार से बताया अंत में सभी को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का शपथ ग्रहण कराया गया।

सन सिटी अध्यक्ष आनंद चोपड़ा द्वारा नई कार्यकारिणी का गठन...

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शहर की सबसे लोकप्रिय सोसायटी महावीर सन सिटी के दूसरी बार अध्यक्ष बने आनंद चोपड़ा ने सर्वसम्मति से अपनी समिति का गठन कर लिया है। जिसमें आशीर्वादक संरक्षक मंडल में मिश्रीलाल गोलछा, राकेश ठाकुर,गोपाल खंडेलवाल राजेश गुप्ता अग्रहरि,मनोज चितलांगिया विनोद बोहरा शामिल हैं। साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष सुशील माहेश्वरी उपाध्यक्ष विनय गोयल,परेश पटेल,प्रवीण गुप्ता, अमित बिंदल होंगे। सचिव दिलीप गोलछा के साथ सहसचिव विनय बिंदल,विशाल शर्मा को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष राजेश डागा एवं सह कोषाध्यक्ष दिलीप सांखला (ष्ट्र) हिसाब निरीक्षक राजेंद्र सांखला,विधि सलाहकार सुमंत बक्शी, खेलकूद प्रभारी सारंग पहाड़े,नरेश खोटले इसके अलावा सांस्कृतिक प्रभारी अशोक अग्रवाल,राहुल कोठारी होंगे, पी आर ओ मनीष साहिता व कुणाल शर्मा होंगे। कार्यकारिणी सदस्यों में गोविंद मलानी,रतन पटेल,अंकुर जैन, टीकम पारख,दिलीप खंडेलवाल, हरीश गांधी,अक्षय सांखला, कमल किशोर साहू,गुरभेज सिंह, आशीष डागा,अनूप अग्रवाल, राहुल अग्रवाल होंगे। इस सत्र में महिला कार्यकारिणी भी गठित की गई है जिसमें नीलू अग्रवाल, कीर्ति अग्रवाल,दीप्ति बिंदल, पिंकी माहेश्वरी,रूपाली गांधी,रितिका तिवारी प्रियंका गोलछा,रुचि श्रीवास्तव होंगे। आगामी कार्यकमों में स्वतंत्रता दिवस,श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के बाद गणेश चतुर्थी महापर्व को भव्य रूप से मनाने की प्रारंभिक तैयारी शुरू कर दी गई है।

वार्ड स्तर की अंतिम बैठक 10 अगस्त को गौरीनगर में

राजनांदगाँव (नांदगांव टाइम्स)। नगर कोसरिया यादव समाज राजनांदगाँव के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जी के जन्मोत्सव पर शोभायात्रा को भव्य एवं आकर्षक बनाने हेतु समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि जो बैठक दिनांक- 13 जुलाई को बसंतपुर से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न वार्डो में होते हुए 10 अगस्त दिन- रविवार को गौरीनगर के सामुदायिक भवन में दोपहर 2 बजे से भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा-अर्चना कर बैठक का शुभारंभ किया जायेगा जो शाम 5 बजे समाप्त होगी । इस बैठक में प्रमुख रूप से राजनांदगाँव के पदाधिकारीगण, वरिष्ठगण, सरंक्षकगण, महिला मंडल, वार्ड अध्यक्ष, युवा मंडल सहित समस्त समाज के सदस्यगण उपस्थित रहेंगे ।

बीएमओ डॉ. सुचिता श्रीवास्तव का किया स्वागत

डोगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। स्वास्थ्य एवं बहुदेसीय कर्मचारी संगठन डोंगरगढ़ द्वारा नए बीएमओ डॉक्टर सुचिता श्रीवास्तव मैडम जी का

स्वागत सम्मान किया गया । संगठन के पदाधिकारी से अवगत कराया गया एवं बीएमओ मैडम जी से सरल वार्तालाप हुआ जिसमें फील्ड और कर्मचारियों की बातें हुई ।मैडम जी द्वारा हमारे बातों को अच्छे से सुने। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष , सचिव एवं अन्य पदाधिकारी अधिक संख्या में उपस्थित थे।संगठन के अध्यक्ष श्री राकेश सिन्हा ने यह जानकारी दी।

निधन

अशोक अम्बादे

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। प्रेस क्लब ऑफ डोंगरगढ़ के सदस्य, पत्रकार अशोक अम्बादे उम्र 48 का आकस्मिक निधन गुरुवार को हो गया है। विगत कई वर्षों से वे अखबार के माध्यम से पत्रकार जगत में जुड़कर कार्य करते रहे । उनके निधन पर प्रेस क्लब ऑफ डोंगरगढ़, बौद्ध समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शोक जताया है।

वीर जवानों के नाम पर 5 फीट लंबा 5 फीट चौड़ा राखी बनाकर रक्षाबंधन पर संदेश दिया साथ ही कुंआ बचाओ व पानी बचाओ का संदेश आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने तख्ती लेकर दिया

कबाड़ से जुगाड़ के तहत तैयार किया गया है राखी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। भाई बहन के प्यार का अटुट बन्धन रक्षाबंधन पर भाई के कलाईयों पर बहन राखी बांध रहे हैं वही जिला के पर्यावरण प्रेमी भोज साहू के द्वारा कबाड़ से जुगाड़ से साइकिल के रिंग स्पोक व पुराने कपड़े से 5 फीट लंबा व 5 फीट चौड़ा राखी तैयार किया है जो कि तिरंगा कलर के थीम पर बना हुआ है यहां राखी वीर जवानों के नाम पर तैयार है जिसे सड़क किनारे नीम के पेड़ पर लटका दिया है जो राहगीरों के ध्यान खींच रहे हैं इसमें राहगीरों को वीर जवानों के ऊपर लिखे शायरी उनके बलिदान को याद दिला रहा है जो हमारे खुशियों के लिए अपना घर छोड़कर चौबीसों घंटे ड्यूटी कर रहे हैं। भोज साहू पर्यावरण प्रेमी ने इससे पहले भी इस तरह प्रतिवर्ष अलग अलग अंदाज में रक्षाबंधन पर संदेश देते आ रहे हैं

इस तरह राखी लगाने के बारे में भोज साहू पर्यावरण प्रेमी का कहना है

हमारे देश भर में रक्षाबंधन का पर्व पर एक बहन अपने भाई के कलाई पर राखी बांधते हैं हर वो इंसान चाहता है कि अपने सुनहरे पल को कोई खोना नहीं चाहता हैं लेकिन देश सुरक्षा के लिए तैनात वीर जवान चाहकर भी अपने ऐसे तीज त्यौहार में सम्मिलित नहीं हो पाते हैं हमारे खुशियां और सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे तैनात रहकर हमें सुरक्षा देते हैं चाहे बारिश गर्मी हो या कड़कड़ाती ठंड हर मौसम में अपने सेवा देते वहीं अनेकों जवान दुश्मनों से लड़ते-लड़ते अपने बलिदान दे देते हैं ऐसे जवानों को याद करते हुए इस बार बड़ा राखी तैयार किया है ताकि आम जन हमारे वीर योद्धाओं के महत्व समझें स्कूल बच्चों व युवा प्रेरित हो हमारे रक्षा के लिए तैनात वो सभी सेना के जवान पुलिस जवान व सभी वर्दीधारी व्यक्ति हमारे लिए आदर्श है हम सबको उन्हें तहेदिल से सम्मान करना चाहिए। रक्षाबंधन के साथ कुंआ बचाओ व जल संरक्षण का संदेश भी दिया आत्मानंद के बच्चों ने जल के एक एक बूंद बचाने के लिए संकल्पित हुए। नगर आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने तख्ती बनाकर कुंआ बचाओ जल बचाओ जैसे तख्ती लेकर रक्षाबंधन पर एक संदेश दिया है बारिश के एक एक बूंद हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है हमें बारिश के पानी को संकलन करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम व कुंआ को बचाना होगा कहते हुए संदेश दिया है इस आयोजन में प्रमुख रूप से थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा,प्रमिला साहू प्रभारी प्रधान पाठक,जे के खोबरागड़े सेवानिवृत्त प्रधान पाठक, राजेन्द्र कुमार देवांगन,माधुरी एंथोनी , बृजकिशोर साहू,शहनाज खान, समाजसेवी इंदू साहू, पर्यावरण प्रेमी भोज साहू सहित छात्र छात्राओं उपस्थित थे।

गणेशोत्सव : बाल समाज की नई कार्यकारिणी

मनीष अध्यक्ष, नीरज सचिव एवं दामू भूतड़ा संयोजक

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। बाल समाज गणेश उत्सव समिति की बैठक श्री बालाजी मंदिर (गंजलाईन) में हुई। इस वर्ष भी गणेश पर्व, विर्सजन झांकी, गणपति मेला एवं बैल दौड़ कराने का निर्णय लिया गया हैं। बाल समाज के सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से मनीष खण्डेलवाल को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संरक्षक मंडल में- जगदीश जिन्दल, खूबचंद पारख, श्री किशन खण्डेलवाल, नत्थुलाल अग्रवाल, नंदलाल राठी, मूलचंद मुरारीलाल डागा, मोहन अग्रहरि, कमल किशोर पोरवाल, सूर्यकान्त चिन्तलाग्या, डॉ. पुखराज बाफ्ना आदि हैं। उपाध्यक्ष कैलाश राठी, विकास अग्रवाल व गुच्ची जैन, सचिव नीरज माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष मनोज बैद्य एवं सहसचिव जीतू चोपड़ा व गोपाल भट्टल हैं। सचिव अग्रहरि, पवन डागा, नंदू भूतड़ा, राजू खण्डेलवाल, सुरेश पोरवाल, दीपक गांधी, रोशन गोलछा, सूर्यकांत जैन, मुन्ना अग्रवाल, गोपाल शर्मा, सुनील उभवानी, रतन गिडिया, सागर चिन्तलाग्या, सुरेन्द्र लोहिया। पूर्व पार्षद-श्रीमति मधु बैद, पार्षद-रानू जैन, जैनम बैद, नंदू जेन, गुड्डू जैन, अरूण चोपड़ा, राजु पोरवाल, बंटी जैन, मनोज पींचा, हितेन्द्र तिवारी, सिछ्दार्थ मित्तल, रूपेश गुप्ता,

दामू बने विसर्जन झांकी संयोजक- विर्सजन झांकी संयोजक-दामू भूतड़ा हैं। विर्सजन झांकी प्रभारी-भरत साहू, मदन राठी, सूरज खण्डेवाल, सुजीत मित्तल, विक्की झांझरी, राजेश चंदेल, गोपाल खण्डेलवाल, पराग हुंका, मोहन मेश्राम, राजकुमार गांधी, आलोक जैन (लल्ली), रमेश बाफ्ना, मनोज यादव, बबली नाहटा, मीनू जैन, पुरूषोत्तम भुतड़ा, दीपक ठाकुर, हिरा माहेश्वरी, प्रमोद अग्रवाल, राजू डाका व रमेश राठी है।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में सुशीला बिरला बालिका स्कूल को 51-09 अंकों से हराया

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। साई प्रशिक्षण केन्द्र राजनांदगांव, डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव की अंडर 19 बालिका बास्केटबॉल टीम ने कटक में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर द्वितीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में सुशीला बिरला बालिका स्कूल को 51-09 अंकों से हराया।

हनुमान मंदिर के पास एक नवजात बच्ची को छोड़कर अज्ञात व्यक्ति चला गया है

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। दिनांक 07.08.2025 को रात्रि लगभग 09:00 बजे थाना चिल्फी को सूचना प्राप्त हुई कि घाटी स्थित हनुमान मंदिर के पास एक नवजात बच्ची को छोड़कर अज्ञात व्यक्ति चला गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना चिल्फी पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची और सालहेवारा के दो युवकों की सहायता से नवजात बच्ची को सुरक्षित रेस्क्यू किया। बच्ची को प्राथमिक उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों द्वारा जांच के उपरांत बेहतर देखरेख के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना चाइल्ड केयर इकाई को भी दे दी गई है। वर्तमान में नवजात बच्ची स्वस्थ है और आवश्यक देखभाल की व्यवस्था के लिए जिला अस्पताल में है।

धर्म समाचार....

आस्था और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन आज

अरविन्द तिवारी

रायपुर (नांदगांव टाइम्स) । हिन्दू पंचांग के अनुसार आज ही के दिन प्रतिवर्ष श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। रक्षाबंधन का पर्व आस्था और विश्वास का पर्व है , इस दिन बहनें भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी लंबी आयु और सुख समृद्धि की कामना करती हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये अरविन्द तिवारी ने बताया कि राखी बंधवाते समय भाई का मुख पूर्व दिशा में और बहन का पश्चिम दिशा में होना उत्तम माना जाता है। बहनें रोली , अक्षत का टीका अपने भाई को लगायें , घी के दीपक से आरती उतारें , उसके बाद मिष्ठान खिलाकर भाई के दाहिने कलाई पर राखी बांधें। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन का त्योहार सदियों से चला आ रहा है। धार्मिक मान्यता है कि यमराज की बहन यमुना ने उनकी कलाई में राखी बांधी थी जिसके बदले यमराज ने यमुना को अमरता का वरदान दिया था। भाई बहनों के अटूट स्नेह पर्व आज उल्लासपूर्वक पुण्य वातावरण में सम्पन्न होगा। पंचांग के अनुसार रक्षाबंधन की पूर्णिमा तिथि 08 अगस्त दोपहर दो बजकर बारह मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 09 अगस्त दोपहर एक बजकर चौबीस मिनट पर होगा यानि उदयातिथि के अनुसार रक्षाबंधन इस बार 09 अगस्त को ही मनाया जायेगा। इस वर्ष रक्षा बंधन का त्योहार सौभाग्य , शोभन और सर्वार्थ सिद्धि जैसे अत्यंत शुभ योगों में मनाया जायेगा। इसके अलावा श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्र का दुर्लभ और विशेष संयोगों के कारण यह पर्व कहीं अधिक मंगलकारी और फलदायक होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन योगों में किये गये कार्य शुभ फलदायी होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि लाते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस बार भद्रा का अशुभ काल सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जायेगा , जिससे बहनें पूरे दिन राखी बांध सकेंगी। वहीं रक्षाबंधन पर राहुकाल सुबह नौ बजकर सात मिनट से शुरू होगा जो यह सुबह के दस बजकर सैंतालिस मिनट तक बना रहेगा। इसलिये आप इस बीच भाई को राखी बांधने से बचें। ज्योतिषियों के मुताबिक राहुकाल में गृह प्रवेश , मुंडन , शुभ काम , यात्रा और खरीदारी जैसे कार्यों को करने से बचना चाहिये क्योंकि इससे समस्यायें पैदा हो सकती हैं। भारत में प्रतिवर्ष श्रावणी पूर्णिमा के पावन अवसर को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है। श्रावणी पूर्णिमा अर्थात् रक्षाबंधन ऋषियों के स्मरण तथा पूजा और समर्पण का पर्व माना जाता है। वैदिक साहित्य में इसे श्रावणी कहा जाता था। इसी दिन गुरुकुलों में वेदाध्ययन कराने से पहले यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। आज संस्कृति दिवस पर शुक्ल यजुर्वेदीय पुराणों के प्रणेता महर्षि वेद व्यास जी का सम्मान करते हुये हम सब भारतीय संस्कृति भाषा के विकास का संकल्प लेवें और परंपरा को आगे बढ़ावें। रक्षाबंधन भाई बहन के पवित्र रिश्ते का त्यौहार है , जो आदर और सम्मान देता है। आज के दिन भाई बहन दोनों सुख दु:ख में हमेशा साथ रहने का विश्वास दिलाते हैं। साथ ही भाई भी अपनी बहनों को सदैव उनकी रक्षा का वचन देते हैं। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे , रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहनें भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिये भगवान से प्रार्थना करती है। राखी सामान्यत: बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है। आज के दिन बहनें अपने भाई के दायें हाथ पर राखी बाँधकर उसके माथे पर तिलक करती हैं और उसकी दीर्घ आयु की कामना करती हैं। बदले में भाई उनकी रक्षा का वचन देता है। ऐसा माना जाता है कि राखी के रंगबिरंगे धागे भाई-बहन के प्यार के बन्धन को मज़बूत करते है। भाई बहन एक दूसरे को मिठाई खिलाते हैं और सुख-दुख में साथ रहने का विश्वास दिलाते हैं। यह एक ऐसा पावन पर्व है जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को पूरा आदर और सम्मान देता है। धर्म , जाति और देश की सीमाओं से परे रक्षाबन्धन का पर्व भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री के निवास पर भी मनाया जाता है। जहाँ छोटे छोटे बच्चे जाकर उन्हें राखी बाँधते हैं। रक्षाबंधन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का भी सांस्कृतिक उपाय है। बहनों को अपने भाई की कलाई पर काले रंग की राखी कभी नहीं बांधनी चाहिये क्योंकि काले रंग की राखी बाँधने से अशुभ समय शुरू हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार काले रंग का सीधा संबंध शनि देव से है। शनि देव को कार्य में विलंब करने वाला ग्रह माना जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन पर काले रंग की राखी भूलकर भी ना बांधे। रक्षाबंधन पर बहनों को भाई की कलाई पर टूटी या खंडित राखी नहीं बांधनी चाहिये। माना जाता है कि ऐसी राखी बांधनी से अशुभ फल मिलता है। भाई की कलाई पर प्लास्टिक की राखियों को भी नहीं बांधना चाहिये। कहा जाता है कि प्लास्टिक अशुद्ध चीजों से बनती है, ऐसे में प्लास्टिक की राखी बाँधने से जीवन में दुर्भाग्य शुरू हो सकती है। अक्सर लोग राखी खरीदते समय डिजाइन या अशुभ चिन्हों का ध्यान नहीं देते हैं। लेकिन रक्षाबंधन पर कभी भी भाई के कलाई पर अशुभ चिन्हों वाली राखी नहीं बाँधनी चाहिये , ऐसा करने से अशुभ समय शुरू हो जाता है। भाई की कलाई पर भगवान वाली राखी भी नहीं बाँधनी चाहिये , इसके पीछे का कारण है कि अगर राखी खुलकर जमीन पर गिर जाती है और किसी के पैरों पर पड़ सकती है। जिसके कारण अनजाने में भाई को पाप का भागीदार होना पड़ सकता है , ऐसे में भगवान की प्रतिमा वाली राखी नहीं खरीदनी चाहिये। रक्षाबन्धन आत्मीयता और स्नेह के बन्धन से रिश्तों को मज़बूती प्रदान करने का पर्व है। यही कारण है कि इस अवसर पर ना केवल बहन भाई को ही अपितु अन्य सम्बन्धों में भी रक्षा (या राखी) बाँधने का प्रचलन है। गुरु शिष्य को रक्षासूत्र बाँधता है तो शिष्य गुरु को। रक्षाबंधन के दिन भाई अपने बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते है। रक्षाबंधन एक ऐसा त्यौहार है जो भाई बहन के प्यार को और मजबूत बनाता है। अब तो प्रकृति संरक्षण हेतु वृक्षों को भी राखी बाँधने की परंपरा प्रारंभ हो चुकी है। हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बाँधते समय कर्मकाण्डी पण्डित या आचार्य संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। भविष्यपुराण के अनुसार इन्द्राणी द्वारा निर्मित रक्षासूत्र को देवगुरु बृहस्पति ने इन्द्र के हाथों बांधते हुये निम्नलिखित स्वस्तिवाचन किया ङ्क

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल: ।
तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल: ।।

इस श्लोक का हिन्दी भावार्थ है ङ्क जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बाँधा गया था , उसी सूत्र से मैं तुझे बाँधता हूँ। हे रक्षे (राखी) ! तुम अडिग रहना (तू अपने संकल्प से कभी भी विचलित ना हो।)। आज भी किसी धार्मिक विधि विधान से पूर्व पुरोहित यजमान को रक्षासूत्र बाँधता है और यजमान पुरोहित को। इस प्रकार दोनों एक दूसरे के सम्मान की रक्षा करने के लिये परस्पर एक दूसरे को अपने बन्धन में बाँधते है।

nandgaon times aug-09-3.qxd 8/9/2025 12:04 AM Page 4

माताओं- बहनों की खुशहाली ही है विष्णु देव का

संकल्प रक्षाबंधन

एक बहन के लिए भाई उसके सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की कामना करता है, ताकि वह खुशहाल जीवन जी सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रही है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

महतारी वंदन योजना

अब तक 69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय के लिए मिलेगा वृहद बाजार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम- व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में सहायता

लखपति दीदी योजना

योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित करना

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद 20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ ही सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है। हमारी सरकार उनकी सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

महिला कल्याण के लिए चार नए पोर्टल

- शी- बाक्स ऑनलाइन शिकायत पोर्टल
- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पोर्टल
- महिलाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और निगरानी के लिए इंफ्रा पोर्टल
- महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए स्थापना पोर्टल

सम्मान

खिलेश्वरी को मिली आर्थिक सुरक्षा

रायपुर जिले के बनरसी गाँव निवासी खिलेश्वरी ओगरे बिहान शारदा ग्राम संगठन समूह से जुड़ी हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की सहायता से वे अब आर्थिक सुरक्षा का अनुभव कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहले परिवार का भरण-पोषण मुश्किल था, लेकिन अब यह राशि उनके खाते में जमा रहती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सहारा बनती है। वे कहती हैं, "महीने के अंत में जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो इस 1,000 रुपये से हमें बहुत मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ।" खिलेश्वरी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से भी जुड़ी हैं। इस समूह से जुड़कर उनके जैसी ही कई महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की राह पर चल रही हैं।

सुरक्षा

सुरक्षित मातृत्व के लिए सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को दो किस्तों में सहायता राशि दी जाती है। पहली किस्त में 3000 रुपए दिए जाते हैं और दूसरी किस्त में 2000 रुपए की राशि प्रसव के बाद टीकाकरण की पुष्टि होने पर दी जाती है। महासमुंद के इमलीभाठा में रहने वाली गायत्री देवांगन ऐसी ही एक महिला हैं। जब उन्हें इस योजना के तहत 5000 रुपए की राशि मिली, तो उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने अच्छे स्वास्थ्य और पोषण पर किया। इसके साथ ही उन्हें राज्य सरकार की कौशल्या मातृत्व सहायता योजना के अंतर्गत दूसरी बार गर्भवती होने पर 6000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

समृद्धि

सफल कारोबारी के रूप में मिली पहचान

एक सामान्य परिवार से आने वाली नीतू गुप्ता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लक्ष्मी स्वसहायता समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से एक लाख रुपये का मुद्रा लोन लेकर किराने की दुकान खोली। नीतू सिलाई का कार्य भी करती हैं। साथ ही अपने पति श्री सुनील गुप्ता के साथ खेती कार्य में भी उनका साथ देती हैं। नीतू ने लोन से लिए हुए पैसों से कारोबार शुरू किया और अपनी मेहनत और हुनर के दम पर अब एक सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वे अब अपने बच्चों का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पा रही हैं। वे आज लखपति दीदी बन गई हैं।

समानता

व्यंजन बनाने की रुचि ने बनाया आत्मनिर्भर

25 वर्षीया पायल नेताम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत चार लाख रुपये का ऋण लेकर बेकरी की दुकान खोली। वे बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रही हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दिया है। पायल केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रुपये तक शुद्ध आय हो जाती है। इससे उन्हें समाज में समानता और आत्मनिर्भरता वाली पहचान मिली है। पायल ने अपने हुनर और कौशल के साथ शासकीय योजना का लाभ लेकर अपने आप को अब सफल कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया है।

सशक्तीकरण

पुष्पा के हौसलों को मिली उड़ान

पुष्पा यादव 20 दिनों का ड्रोन पायलेट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांवों के खेतों में फसलों पर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। प्रति एकड़ कीटनाशक छिड़काव करने पर उन्हें 300 रुपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रुपए की आय अर्जित कर चुकी हैं। वे कहती हैं कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलेट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रुपए से अधिक कमा रही हूं। अब पुष्पा को नई पहचान मिली है। गांव वाले उन्हें ड्रोन दीदी पुष्पा के नाम से जानने लगे हैं। पुष्पा की आत्मनिर्भरता देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं और उन्हें भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सहभागिता

साथ मिलकर तरक्की की राह पर

छत्तीसगढ़ का 'जशप्योर ब्रांड' जो आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करता है। अब यह ब्रांड केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत में अपनी जगह बना चुका है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। समूह से जुड़ी कई महिलाएं आज पूरी आत्मनिर्भरता के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जी रही हैं। जशप्योर आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का सफल प्रयास है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।

Samvad 44836/138

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com